मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड टीकाकरण का प्रभाव

प्रिलिम्स के लिये:

मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड टीकाकरण का प्रभाव, मानसिक स्वास्थ्य, कोविड-19, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (NMHP), आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (AB-HWC), राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम।

मेन्स के लिये:

मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड टीकाकरण का प्रभाव, भारत में मानसिक स्वास्थ्य देखभाल की स्थिति, मानसिक स्वास्थ्य जनसंख्या से संबंधित सरकारी पहल और संबंधित मुद्दे।

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

कुछ अध्ययनों ने सुझाव दिया है कि Covid-19 के टीकाकरण के बाद बिना टीकाकरण वाले व्यक्तियों की तुलना में टीका लगाए गए व्यक्तियों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ कम होती हैं।

- कोविड-19 के बाद 6 महीनों में अवसाद का अतिरिक्त जोखिम टीकाकरण वाले व्यक्तियों में प्रति 100,000 पर 449 था, जबकि टीकाकरण न करवाने वाले व्यक्तियों में यह प्रति 100,000 व्यक्तियों पर 1009 था।

कोविड-19 के बाद मानसिक स्वास्थ्य का मुद्दा कितना गंभीर था?

- **चिंता और अवसाद:**
  - जो व्यक्ति कोविड-19 होने के बाद अस्पताल में भर्ती होने से बच गए, उन्हें चिंता और अवसाद सहित लगातार मानसिक **स्वास्थ्य चुनौतियों** का सामना करना पड़ा, जो ठीक होने के बाद लगभग एक वर्ष तक बनी रहीं।
  - लंबे समय तक रहने वाले कोविड के लक्षण लगभग 5% व्यक्तियों को प्रभावित कर रहा है, भले ही इसका कारण कुछ भी हो, इन **मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के साथ ओवरलैप होता है, जिससे बोझ बढ़ जाता है।**
- **स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर बढ़ा बोझ:**
  - कोविड-19 के बाद मानसिक स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के बोझ ने **स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों पर दबाव** बढ़ा दिया, जिससे इन चुनौतियों का सामना करने वाले व्यक्तियों के लिये निदान, उपचार तथा सहायता के लिये अतिरिक्त संसाधनों की आवश्यकता हुई।
- **बच्चों तथा सुभेद्य समुदाय पर प्रभाव:**
  - स्कूल बंद होने, बाधित दिनचर्या तथा सीमित सामाजिक संपर्क ने बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया, जिससे **चिंता एवं अन्य मनोवैज्ञानिक चुनौतियाँ** बढ़ गईं।
  - हाशियाई समुदाय की आबादी को सामाजिक-आर्थिक असमानताओं के कारण जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिससे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कमज़ोरियाँ बढ़ गईं।
- **दुःख और अलगाव का मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव:**
  - सामाजिक अलगाव, संचार उपकरणों तक सीमित पहुँच, घरेलू तनाव तथा कोविड-19 के कारण, विशेषकर वृद्ध जैसे कमज़ोर समूहों के बीच दोस्तों एवं रिश्तेदारों को खोने के दुःख से मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों बढ़ गई हैं।

मानसिक स्वास्थ्य और टीकाकरण के बीच क्या संबंध है?

- **मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों में कमी:**
  - टीका लगाए गए व्यक्तियों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं में कमी देखी गई, भले ही उन्हें मानसिक बीमारी का पूर्व इतिहास रहा हो।
  - इससे पता चलता है कि मानसिक स्वास्थ्य परिणामों पर टीकाकरण का प्रभाव पहले से मौजूद विकारों से स्वतंत्र था।

- **कोविड-19 की गंभीरता में कमी:**
  - टीकाकरण ने उन लोगों में **कोविड-19 की गंभीरता को कम करने में योगदान दिया,** जो वायरस से संक्रमित थे। **रोग की गंभीरता पर इस अप्रत्यक्ष प्रभाव से गंभीर बीमारी** से जुड़े संकट को कम करके मानसिक स्वास्थ्य परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने का अनुमान लगाया गया है।
- **कम चिंता:**
  - **टीकाकरण से लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा हुई** और चिंता कम हुई।
  - गंभीर बीमारी या **कोविड-19 से मृत्यु के प्रति सुरक्षित महसूस करने से महामारी** से जुड़ी चिंता और तनाव का स्तर कम हुआ।

भारत में मानसिक स्वास्थ्य बीमारी की स्थिति क्या है?

- **परिचय:**
  - **मानसिक स्वास्थ्य किसी व्यक्ति की भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक और सामाजिक स्वास्थ्य को संदर्भित करता है** , जिसमें उसकी समग्र मानसिक और भावनात्मक परिस्थितियाँ शामिल होती हैं।
  - इसमें किसी व्यक्ति की तनाव से निपटने, अपनी भावनाओं को प्रबंधित करने, अच्छे संबंध बनाए रखने, उत्पादक रूप से काम करने और तर्कसंगत निर्णय लेने की क्षमता शामिल है।
    - मानसिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य और खुशहाली का एक अभिन्न अंग है तथा यह शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्त्वपूर्ण है।
- **भारत में स्थिति:**
  - भारत में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरो-साइंसेज़ के आँकड़ों के अनुसार, 80% से अधिक लोग ज्ञान की कमी, कलंक और देखभाल की उच्च लागत जैसे कई कारणों से देखभाल सेवाओं तक पहुँच नहीं पाते हैं।
    - वर्ष 2012-2030 के दौरान मानसिक स्वास्थ्य स्थितियों के कारण आर्थिक नुकसान 1.03 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (WHO) होने का अनुमान है।
- **मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सरकारी पहल:**
  - **राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (NMHP)**
  - **आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र (AB-HWC)**
  - **राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम**
  - **किरण हेल्पलाइन**
  - **राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम**
  - **युवा स्पंदन योजना (कर्नाटक)**

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

?????:

भारतीय समाज में युवा महिलाओं में आत्महत्या क्यों बढ़ रही है? (2023)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/impact-of-covid-vaccination-on-mental-health